

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हुए

10720

पक्षकारान के आवेदन पर पञ्चवली
आज सुनवाई में ली गई।

बारी, प्रतिबारी मय अधिवक्ता
उपस्थित।

पक्ष पक्षों के आपसी शजीनम
उस्तुत कर कथन किया कि सरहद
मौजा घाटोरी में शूत खसरा सं 3683 विभाजित
होकर तीन खसरा सं 3683, 3683/1, 3683/2
रकबा क्रमशः 62.11 बीघा, 7 बीघा, 35.10
बीघा बने, किन्तु उक्त खसरा नम्बरों
की पक्षकारान द्वारा मौजा पर लॉज पैमार्शिंग
करने पर नये खसरा सं 4019/3683 (पुराने
3683) रकबा 62 बीघा 11 बिस्वा ईकाई
मुजब है, जबकि मौजे पर इस खसरा
का रकबा 55.16 बीघा है, व खसरा सं.
4021/3683 रकबा 39.10 बीघा ईकाई अनुकर है,
जबकि मौजे पर रकबा 465 बीघा भूमि मौजूद
है, उक्त रकबे का जमाबंदी एवं मौजे पर
क्षेत्रफल में अन्तर सड़क निकलने पर सड़क
के दोनों तरफ गाँव वाले रकबे के सही
कलकट व मौजा लॉज नहीं करने से आया है,
बारी मोहनराम गुर्फ मोहनराम के हतियारी
की हूबि भूमि खसरा सं 4418/4019 का जमाबंदी
अनुसार 28.11 बीघा दर्ज है, जो मौजे की
स्थिति के विपरित है, सही रकबा 2110 बीघा
है, जबकि सड़क के दूरी तरफ बारी मोहन-
राम गुर्फ मोहनराम के हतियारी की भूमि
अवस्थित है, गुसरा कोई खसरा संख्या जमाबंदी
व नक्शा में दर्ज नहीं है, प्रतिबारी सं 293
जो श्रुतराम के बरिस है यह श्रुतराम
के परिवार की भूमि खसरा सं 4419/4021 रकबा
34.01 बीघा जमाबंदी व नक्शा अनुसार है, किन्तु
मौजे पर 4016 बीघा है, जो 6.15 बीघा बेसी (अधिक)
है, जो वास्तव में बारी के मालिकाना की
भूमि का भाग है, इसी अनुसार मौजे पर

मोहन
Dalembi
रेगम

मोहन
रेगम

नगरपालिका
10/07/2020

नगरपालिका
10/07/2020

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुकम
की तामील में जारी हुए

कानिज है, व भविष्य में भी रहेगी, वर्तमान में जकशा रेकर्ड में बादी जीवन शम जिन मोहन शम के खाते परी में खसरा सं. 448/409 रकबा 28.11 बीघा जमाबंदी में दर्ज है, उसी पुरस्ती कर 28.11 बीघा के स्थान पर 21.6 बीघा किरा जावे, जोष 6.15 बीघा भूमि की जमा खसरा सं. 438 के दूसरी तरफ ब्याण जाकर रेकर्ड में दर्ज किरा जावे, प्रतिवारी रमेश कुमार, भगयल का रकबा वर्तमान खतौली अनुसार पचाबत रहेगा। इस प्रकार जारी व प्रतिवारी सं. 2 व 3 का रकबा रकबा ती समान रहेगा, मात्र एक अया खसरा बनेगा, जो वाली के नाम दर्ज किरा जावेगा, कुल रकबा पचाबत रहेगा। राजीनामा के संलग्न जकशा अनुसार खालख रेकर्ड के अनुसार किरा जावे, इस हेतु दोनों पक्षकार वारी व प्रतिवारी सहमत है, जो 6.15 बीघा रकबा का अया खसरा बनाया जावेगा। इसी अनुसार रेकर्ड जमा बंदी व जकशा पुरस्ती किरा जाकर रेकर्ड पुरस्ती किरा जावे, जिस पर दोनों पक्षकार सहमत है, जकशा राजीनामा का शर्त मना जाकर स्थाप पटा जावे।

राजीनामा की इच्छात उभय पक्षों को पठकर सुनाई, समझाई जाकर राजीनामा से मुदागला नदरीक किरा गण।

दोनों पक्षों को सुना, फावली संलग्न राजीनामा, फावेजात्र का अवलोकन अधपक किरा बाद गौर बाद पत्र वारीजण

सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) मन्सावरा

हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज

----- माफिक राजीनामा स्वीकार करने
योग्य होने से बाद स्वीकार कर
डिडी किया जाता है, राजीनामा के
संलग्न नक्शा अनुसार संपत्ति देकर
नक्शा लदा हैल व जमा बंदीयें
दुरस्ती की जायें इसी अनुसार डिडी
फर्मा जारी हो। स्वर्ण तुम्हें यह अपना
अपना वहन करेंगे।

पुस्तक में लक्ष्य शुमार लेकर
दारिजल पत्र हो।

सहायक कलेक्टर
(S.D.O.) सलोतरा